



# गायत्रीतीर्थ-शान्तिकुञ्ज

शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार (उत्तराञ्चल) २४९४११

## आत्मीय परिचनो,

नवा विक्रम संवत (२०६५) ना शुभारंभ पर आप सौने भूष-भूष शुभ कामनाओ. आप सौने पोताना भुवनना दरेक क्षेत्रमां सङ्गता मणे अने रोज नवी उंचाईओने स्पर्श करी पोताना चर लक्ष्यने प्राप्ति करो अेवी अमो गुरुदेवने प्रार्थना करीअे छीअे.

परम पूज्य गुरुदेवना कथन अनुसार सङ्गता भले भौतिक क्षेत्रमां होय अथवा आध्यात्मिक क्षेत्रमां, अेनी पाछण आत्मशक्तिनी जगृति ज मुप्य भूमिका निभावे छे. जेनी आ आत्मशक्ति जेटली वधारै हशे, अे अेटला ज अर्थमां सङ्गता थतो जशे.

आ ज आत्मशक्तिने जगृत करवानुं विशेष मुहूर्त त्रैत्र सुद नवरात्रि, जे ता-६ अप्रिल २००८थी प्रारंभ थई रह्युं छे, ना रूपां अमारी सामे आवी गयुं छे. नवरात्रिना आ नव दिवसोने पोतानी विशेषता तथा महत्त्व छे. संघिकाणना आ नव दिवसोमां अ्रह्मांडीय चेतनानो प्रवाह सघन थाय छे अने आ वास्तविकताथी परिचित परिचन अे चैतन्य प्रवाहने विशिष्ट साधना द्वारा आकर्षित करी पोताना व्यक्तित्वने प्रतिभाशाणी बनावे छे.

अमोने विश्वास छे के आप आ महत्त्वपूर्ण प्रसंगनो लाभ उठावीने कोईने कोई रूपां आध्यात्मिक उपचारोना माध्यमथी आ चेतन प्रवाह साथे संपर्क बनावी राप्शे. अमारा गुरुदेवे आ विशिष्ट दिवसोमां २४ हजार गायत्री मंत्रना अनुष्ठाननो विशेष क्रम अताव्यो छे.

आ अ्रह्मांडीय उर्जने धारण तथा ग्रहण करवा माटे उपवास, अ्रह्मचर्य, भोग-विलासनो त्याग जेवा अनुशासन तथा संयमना पालननी पण अनिवार्य आवश्यकता छे जेथी ते उर्ज अनायास ज न विपर्यय जाय अने अमारी चेतना अेनाथी परिष्कृत, परिमार्जित तथा परिवर्द्धित थई शके.

संकल्प तथा श्रद्धानी साथे करवामां आवेल आपनी आ साधना गायत्री महाशक्ति तथा गुरुदेवना अजस्र वरदानने वरसावनारी साभित थाय, अेवी शुभेच्छा.

आपनो भाई

Dr. Prashant Pandey

(डॉ. प्रशांत पंड्या)

आपनी अहेन

Dr. Shilpa Pandey

(शैलजाता पंड्या)



फोन नं-९१-९३३४-२६०६०२, २६९३२८, २६०४०३ फेक्स-२६०८६६